फा.सं.25-I(08)/2022-एएचडी/एआर

भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

****

वर्ष 2022 के फरवरी, माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां।

1. गोपशु और डेयरी विकास:

गोपाल रत्न पुरस्कार 2021 के तहत पहले से प्राप्त आवेदनों में से 15 से 29 वर्ष के आयु वर्ग के चयनित किए गए उम्मीदवारों में से पशुपालन और डेयरी क्षेत्र में राष्ट्रीय युवा नेता पुरस्कार (एनवाईएलए) के लिए दो नामांकनों, जिसकी पुष्टि युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा की जाएगी, अपर सचिव (सी एंड डीडी) की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से दिनांक 02.02.2022 को राष्ट्रीय पुरस्कार समिति की बैठक आयोजित की गई थी।

2. पशुधन स्वास्थ्य:

i. विभाग की विशेषज्ञ समिति ने छत्तीसगढ़ राज्य में मैसर्स एबीआईएस एक्सपोर्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के एवियन इन्फ्लुएंजा से मुक्त विशिष्ट डिब्बों के रूप में पंजीकरण के नवीनीकरण के लिए किये गये छह डिब्बों के निरीक्षण से संबंधित रिपोर्ट प्रस्तुत की।

ii. विभाग ने आरकेवीवाई-पशु स्वास्थ्य उप योजना के तहत कुत्तों में काटने से पहले होने वाले रेबीज टीकाकरण के लिए 53.28 लाख रुपये की राशि के तमिलनाडु राज्य के प्रस्ताव की सिफारिश की।

iii. उत्तर प्रदेश और हरियाणा राज्य में ग्लैंडर्स की घटनाओं की पुष्टि होने पर, विभाग ने बीमारी को और आगे फैलने से रोकने के लिए राज्य को ज़ू-स्वच्छता उपायों को अपनाने, संक्रमित क्षेत्र से घोडों की आवाजाही की निगरानी करने /प्रतिबंधित करने के लिए संसूचित किया।

iv. विभाग ने दिनांक 15.2.2022 को आयोजित दक्षिण एशियाई देशों में पशुधन और पोल्ट्री के सीमापार संक्रामक रोगों की रोकथाम संबंधी तैयारी पर होने वाले रणनीतिक सम्मेलन में भाग लेने के लिए डीएएचडी के अधिकारियों और आईसीएआर संस्थानों के वैज्ञानिकों को नामित किया।

v. विभाग ने दिनांक 11.2.2022 को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा "भारत में नशीली दवाओं की तस्करी और इसके दुरुपयोग की समस्या का मुकाबला करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण" पर आयोजित की जाने वाली एक दिवसीय कार्यशाला के लिए अधिकारी को नामित किया।

vi. विभाग ने वर्ष 2030 तक कुत्ते के जरिये होने वाले मानव रेबीज के उन्मूलन के वैश्विक लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दिनांक 28 फरवरी 2022 को आयोजित ओरल रेबीज टीके (ओआरवी) पर ओआईई वर्चुअल वर्कशॉप हेतु अधिकारियों को नामित किया।

vii. वर्ष 2022 के फरवरी माह के दौरान, लगभग 0.52 करोड़ पशुओं को इयर टैग किया गया और एफएमडी के लिए लगभग 0.94 करोड़ पशुओं का टीकाकरण किया गया। ब्रुसेला के लिए खिलाफ टीकाकरण भी शुरू कर दिया गया है और अब तक 20.03 लाख पशुओं का टीकाकरण किया जा चुका है।

3. राष्ट्रीय पशुधन मिशन (एनएलएम) :

i. आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत पशुपालन अवसंरचना विकास निधि (एएचआईडीएफ) के मूल्यांकन और उससे संबंधित जागरूकता के लिए 500 से अधिक बैंकरों को प्रशिक्षित किया गया।

ii. राष्ट्रीय पशुधन मिशन (एनएलएम) की उद्यमिता योजनाओं के स्पष्टीकरण हेतु उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश राज्यों के बैंकरों के साथ वर्चुअल बैठक आयोजित की गई।

4 . क्रेडिट, विस्तार और प्रचार (सीईपी) :

विभाग ने खाद्य और कृषि विषय के तहत दिनांक 22 फरवरी, 2022 से 2 मार्च, 2022 तक दुबई एक्सपो,2022 में भाग लिया तथा ऑडियो और वीडियो क्रिएटिव्स के माध्यम से विभिन्न अग्रणी कार्यक्रमों और पहलों का प्रदर्शन किया।

5. बजट:

वर्ष 2021-22 के लिए, फरवरी, 2022 तक, 3053.75 करोड़ रुपये के अनंतिम संशोधित अनुमान (आरई) के मुकाबले व्यय, 2470.99 करोड़ रुपये था। वर्ष 2022 के फरवरी माह के दौरान पशुपालन एवं डेयरी विभाग का व्यय 42.67 करोड़ रु. था।

6. सोशल मीडिया क्रियाकलाप:

माह के दौरान, विभाग के ट्विटर पेज को 62,755 फॉलोवर्स द्वारा देखा गया। सोशल मीडिया कार्यकलापों के तहत 171 रचनात्मक पोस्ट बनाए गए, 175 ट्वीट, 1049 री-ट्वीट किए गए, 16 वीडियो और जीआईएफ बनाए गए। विभाग की फेसबुक पर 1,26,517 फॉलोवर्स हैं। विभाग के कू एकाउंट पर 42,000 फॉलोवर्स हैं। फरवरी, 2022 के अंत तक लिंक्डइन पर 534 फॉलोवर्स तथा इंस्टाग्राम पर 453 फॉलोवर्स थे।

******